

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आबकारी आयुक्त,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आबकारी अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 13 जनवरी, 2010।

विषय :-

वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदान की धनराशि व्यय हेतु निवर्तन में रखे जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या: 05/XXVII(1)/2010 दिनांक: 07 जनवरी, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए प्रथम अनुपूरक अनुदान के द्वारा 03-अधिष्ठान शीर्षक के अन्तर्गत मानक मद "16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान" में आवंटित धनराशि रुपये 1.00 लाख (रुपये एक लाख मात्र) व्यय हेतु आपके निवर्तन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति की जा रही है।
3. स्वीकृति की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च, 2010 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।
4. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान सं०-08 के लेखा शीर्षक-2039-राज्य उत्पादन शुल्क, 00, 001-निर्देशन तथा प्रशासन, 03-अधिष्ठान के मानक मद "16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान" के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

डॉ० रणबीर सिंह
सचिव

संख्या: 23 / XXIII / 2010 / 68 / 2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, एन०आई०सी० उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(बी० आर० टम्टा)
अपर सचिव।